Ch.5 समास : शब्द निर्माण

1. समास किसे कहते हैं ?
- दो या दो से अधिक शब्दों को मिलाकर नया शब्द बनाने की प्रक्रिया को समास कहा जाता है।

2. समस्त पद किसे कहते हैं ?
विभिन्न शब्दों के समूहों को संक्षिप्त करके बना शब्द समस्त पद कहलाता है। जैसे हस्त + लिखित हस्तलिखित ।

3. समास विग्रह किसे कहते हैं ?
- समस्त पदों को अलग - अलग करने को समास विग्रह कहते हैं।

जैसे राजमहल समस्त पद
राजा का महल विग्रह
सत्याग्रह समस्त पद
सत्य के लिए किया गया आग्रह ।

3. समास के कितने भेद हैं ?
- समास के छः भेद हैं

1. अव्ययीभाव समास
2. तत्पुरुष समास
3. कर्मधारय समास
4 द्विगु समास
5 द्वंद्व समास
6. बहुव्रीहि समास

1. <u>अव्ययीभाव</u> – इस समास में पहला पद अव्यय होता है और प्रधान होता है जैसे प्रतिदिन – हर दिन

२. तत्पुरुष समास — तत्पुरुष समास में दूसरा पद प्रधान होता है और पहला पद गौण होता है। कारक चिह्न का प्रयोग होता है।

जैसे समस्त पद	समास विग्रह
पाठशाला	पाठ के लिए शाला
रेखांकित	रेखा से अंकित

३. कर्मधारय समास — इस समास में विशेषण और विशेष्य का संबंध होता है। पहला पद विशेषण और दूसरा पद विशेष्य होता है। जैसे —

समस्त पद	समास विग्रह
कमलनयन	कमल के समान नयन
घनश्याम	घन के समान श्याम

4. द्विगु समास — द्विगु समास मे पहला पद संख्यावाची होता है।

समस्त पद	समास विग्रह
त्रिभुज	तीन भुजाओं का समूह
नवरात्र	नौ रात्रियों का समाहार

5. द्वंद्व समास — इसमें दोनो पद प्रधान होते है

समस्त पद	समास विग्रह
माता-पिता	माता और पिता
रात - दिन	रात और दिन
नमक - मिर्च	नमक और मिर्च

6. बहुव्रीहि समास – इस पद मे दोनों ही पद प्रधान नहीं होते, ये दोनो पद मिलकर तीसरे पद को स्पष्ट करते हैं।

समस्त पद	समास विग्रह
नीलकंठ	नीला है कंठ जिसका (शिव)
दशमुख	दस है मुख जिसके (रावण)

विशेष : हिन्दी में अनेक ऐसे शब्द हैं, जिनका प्रयोग बहुव्रीहि, कर्मधारय तथा द्विगु समास के लिए किया जाता है परन्तु इनकी पहचान इनके विग्रह पर निर्भर करती है। जैसे –

समस्त पद	समास विग्रह	समास भेद
दशानन	दस है आनन जिसके (रावण)	बहुब्रीहि
	दस आनन वाला	कर्मधारय
	दस आननों का समाहार	द्विगु
त्रिनेत्र	तीन नेत्र हैं जिसके (शिव)	बहुब्रीहि
	तीन नेत्रों वाला	कर्मधारय
	तीन नेत्रों का समूह	द्विगु

अभ्यास

1) (दे दिया है)

2 तत्पुरुष समास में विग्रह के दौरान किन दो कारक-चिह्नों का प्रयोग नहीं होता ?

– तत्पुरुष समास में समास विग्रह के दौरान कर्ता एवं संबोधन कारक चिह्नों का प्रयोग नहीं होता।

3. विशेषण - विशेष्य का संबंध बताने वाले समास का नाम बताइए।

— 'कर्मधारय' समास में विशेषण - विशेष्य का संबंध होता है।

4. 'कमलनयन' समस्तपद का कर्मधारय एवं बहुव्रीहि समास के आधार पर विग्रह कीजिए।

कमलनयन — कमल के समान नयन - कर्मधारय
कमल के समान नयनों - बहुव्रीहि
वाली या कमल के समान नेत्र है जिसके

Q5 और Q6 (नहीं है)

Q7. निम्नलिखित समास विग्रह के आधार पर समास के भेद लिखिए —

क.	सात सौ दोहों का समाहार	द्विगु समास
ख.	दाल और रोटी	द्वंद्व समास
ग.	परलोक को गमन	तत्पुरुष समास
घ.	चंद्र के समान मुख	कर्मधारय समास
ङ.	चन्द्र है शिखर पर जिसके (शिव)	बहुव्रीहि समास

Q8. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कर्मधारय एवं बहुव्रीहि समास के आधार पर कीजिए।

समस्त पद	समास विग्रह	समास भेद
कमल नयन	कमल के समान नयन	कर्मधारय
	कमल के समान नेत्र हैं जिसके (सुन्दर स्त्री) (लक्ष्मी)	बहुव्रीहि

समस्त पद	समास विग्रह	समास भेद
२. घनश्याम	काले है जो बादल	कर्मधारय
	बादलों के समान काले अर्थात (कृष्ण)	बहुब्रीहि
३. महावीर	महान वीर	कर्मधारय
	महान है जो वीर (कर्ण)	बहुब्रीहि
४. नीलकंठ	नीला कँठ	कर्म धारय
	नीला है कंठ जिसका अर्थात (शिव)	बहुब्रीहि।
५. लंबोदर	लंबा उदर	कर्मधारय
	लंबा है उदर जिसका। (गणेश)	बहुब्रीहि

H.W.

निबन्ध लिखिए :
'राष्ट्र के प्रति विद्यार्थियों का कर्तव्य'

- प्रस्तावना –
- विषय वस्तु –
- उपसंहार –

(Page 245) take help from

- अपने शब्दों में ही लिखिए